बिहार विधान परिषद्

समापन भाषण

206वां सत्र

माननीय मुख्यमंत्री-सह-सदन नेता,

माननीय उपमुख्यमंत्री द्वय

माननीय मंत्रीगण,

माननीय उप सभापति,

माननीय नेता, विरोधी दल,

माननीय मुख्य सचेतक, सत्तारूढ़ दल

माननीय उप मुख्य सचेतक, सत्तारूढ़ दल

माननीय मुख्य सचेतक, विरोधी दल

विभिन्न दलों के माननीय नेतागण,

बिहार विधान परिषद् के सभी माननीय सदस्यगण,

प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण !

बिहार विधान परिषद् का 206 वां सत्र का आज समापन हो रहा है। इस सत्र में कुल 11 बैठकें आयोजित हुईं।

इस सत्र के लिए कुल 691 प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें से 595 प्रश्नों को स्वीकृत किया गया। कुल 174 प्रश्न उत्तरित हुए। वर्तमान सत्र के 421 लंबित प्रश्नों को आगामी सत्र में सदन की मेज पर रखने हेतु सरकार से अनुशंसा करता हूं।

इस सत्र के लिए ध्यानाकर्षण की कुल 90 सूचनाएं प्राप्त हुईं। 56 ध्यानाकर्षण सूचनाएं सदन के कार्यक्रम पर लाए जाने के लिए स्वीकृत हुईं। 45 सूचनाएं उत्तरित हुईं, शेष 5 सूचनाएं व्यपगत हुईं। 6 सूचनाएं प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण समिति के विचारार्थ सुपुर्द किए गए।

शून्यकाल की कुल 55 सूचनाएं प्राप्त हुईं जिनमें 52 सूचनाओं के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट किया गया एवं 1 सूचना अस्वीकृत की गई। 2 सूचनाएं व्यपगत हुईं।

निवेदन की कुल 100 सूचनाएं प्राप्त हुईं। 99 सूचनाएं स्वीकृत हुईं। 1 सूचनाएं अस्वीकृत हुईं। सभी स्वीकृत 99 निवेदनों को सदन की सहमति से निवेदन समिति को सुपुर्द किया गया।

इस सत्र में नेशनल ई-विधान (नेवा) के माध्यम से माननीय सदस्यों द्वारा 199 तारांकित प्रश्न, 4 अतारांकित प्रश्न, 67 अल्पसूचित प्रश्न ऑनलाईन दिए गए। नेवा द्वारा विभाग को 458 तारांकित प्रश्न एवं 112 अल्पसूचित प्रश्न भेजे गए।

नेवा के माध्यम से ध्यानाकर्षण की 23 सूचनाएं ऑनलाईन प्राप्त हुईं। कुल 56 ध्यानाकर्षण सूचनाओं को विभाग को ऑनलाईन भेजा गया जिनमें से 38 सूचनाओं के जवाब ऑनलाईन प्राप्त हुए।

नेवा के माध्यम से शून्यकाल की 13 सूचनाएं ऑनलाईन प्राप्त हुईं। इसके माध्यम से 14 माननीय सदस्यों ने अपना गैर सरकारी संकल्प ऑन लाईन भेजे।

इस सत्र के दौरान माननीय सदस्यों ने अपने संसदीय दायित्वों का निर्वहन करते हुए जन सामान्य की समस्याओं के समाधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शायी है। सदन में महत्वपूर्ण विषयों पर वाद-विवाद में सहभागिता के लिए सदन के सभी माननीय सदस्यों को मैं हार्दिक बधाई देता हूं।

वर्तमान सत्र में निम्नलिखित विधेयक पारित किए गए –

1. बिहार विनियोग विधेयक, 2024
2. बिहार विनियोग (संख्या 2) विधेयक, 2024
3. बिहार तकनीकी सेवा आयोग (संशोधन) विधेयक, 2024
4. बिहार अपराध नियंत्रण विधेयक, 2024
5. बिहार लोक सुरक्षा (उपाय) प्रवर्त्तन विधेयक, 2024
6. बिहार कराधान विवादों का समाधान विधेयक, 2024
7. बिहार मूल्यवर्द्धित कर (संशोधन) विधेयक, 2024
8. बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग (संशोधन) विधेयक, 2024
9. बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड (संशोधन) विधेयक, 2024
10. बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड (संशोधन) विधेयक, 2024
11. बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग (संशोधन) विधेयक, 2024
12. बिहार राज्य महिला आयोग (संशोधन) विधेयक, 2024

इस उच्च सदन में आप सबके सहयोग से गरिमा के अनुरूप राजकीय कार्यों के निष्पादन के साथ-साथ जनहित के मुद्दों पर सार्थक बहस हुई है। सदन के सभी सदस्यों को इसके लिए मैं हृदय से धन्यवाद देता हूं।

मैं माननीय मुख्यमंत्री, माननीय उप मुख्यमंत्रीद्वय, माननीय मंत्रीगण, माननीय उप सभापति, माननीय नेता, विरोधी दल, माननीय मुख्य सचेतक सत्तारूढ़ दल, माननीय उप मुख्य सचेतक, सत्तारूढ़ दल, माननीय मुख्य सचेतक, विरोधी दल, विभिन्न दलों के माननीय नेतागण, बिहार विधान परिषद् के माननीय सदस्यगण का आभारी हूं कि आप सबने सत्र के दौरान संसदीय दायित्वों के प्रति गहरी निष्ठा का परिचय दिया। मैं प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार एवं छायाकार बंधुओं के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने सदन की कार्यवाही को अपनी रिपोर्टिंग के जरिए प्रकाशित और प्रसारित करते हुए जनसाधारण के प्रति हमारे दायित्वों एवं सरोकारों को नया आयाम दिया है।

माननीय सदस्यगण, आगामी 6 मई, 2024 को इस सदन के कुल 11 माननीय सदस्यों के कार्यकाल समाप्त हो रहे हैं जिनमें माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमारजी, माननीय मंत्री श्री संतोष कुमार सुमन, माननीय नेता, विरोधी दल श्रीमती राबड़ी देवीजी, माननीय उप सभापति डॉ. रामचन्द्र पूर्वेजी, माननीय सदस्यगण श्री खालीद अनवर, श्री प्रेमचन्द्र मिश्रा, श्री मंगल पाण्डेय, श्री रामईशबर महतो, श्री संजय पासवान, श्री सैयद शाहनवाज हुसैन, श्री संजय कुमार झा शामिल हैं। अपने पूरे कार्यकाल के दौरान उच्च संसदीय परम्परा का निर्वहन करते हुए इन माननीय सदस्यों ने जनहित के कार्यों के प्रति जो निष्ठा और भावना दिखलाई है, वह प्रेरणास्वरूप है तथा पूरे सदन के लिए अनुकरणीय है। मैं पूरे सदन की ओर से उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना करता हूं तथा उन्हें पुन: सदन की शोभा बढ़ाने हेतु अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

अंत में, मैं बिहार विधान परिषद् के सचिव एवं परिषद् सचिवालय के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी धन्यवाद देता हूं जिनके सहयोग से इस सत्र के दौरान मैं संसदीय दायित्वों का सफलतापूर्वक संचालन करने में समर्थ हो सका हूं।
धन्यवाद।

देवेश चन्द्र ठाकुर
सभापति

01 मार्च, 2024